

दैनिक जागरण कानपुर 06/02/2022

कानपुर जागरण

शिक्षण संस्थानों में भी मनाई गई वसंत पंचमी

जासं कानपुर : छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में वसंत पंचमी पर कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर कुलसचिव अनिल कुमार यादव, प्रो. संजय स्वर्णकार, प्रो. सुधीर अवस्थी मौजूद रहे। दयानंद गर्ल्स पीजी कालेज में छात्राओं ने मां सरस्वती के पूजन के साथ होली के गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए। यहां पर प्राचार्या डा. सुनंदा दुबे, एसोसिएट प्रोफेसर डा. शालिनी वेद त्रिपाठी, डा. रंजीता श्रीवास्तव मौजूद रहीं। सीएसए विवि में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. आरपी सिंह ,

डा. सीमा सोनकर, कुलसचिव डा. सीएल मौर्या, डा. मनीष गंगवार, डा. खलील खान मौजूद रहे। महिला महाविद्यालय, किदवई नगर में मुख्य अतिथि डा. अनिल चौधरी, प्राचार्या डा. अंजू चौधरी सहित शिक्षिकाओं ने सरस्वती पूजन किया। बीएनएसडी शिक्षा निकेतन, मेस्टन रोड में वसंत पंचमी पूजन की शुरुआत ब्रह्मावर्त महामंडल के संरक्षक वीरेंद्र जीत सिंह ने दीप प्रज्वलन कर की। प्रधानाचार्या मंजू शुक्ला, नदिता, नीतू, रमाकांत मौजूद रहीं। एकमे पब्लिक स्कूल, पनकी में स्कूल प्रबंधक एसडी मिश्रा, रंजना मिश्रा, रश्मि यशपाल मौजूद रहीं।



हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज



सर्वोच्च पुस्तकालय में बसंत उत्सव का शुभारंभ किया गया, 06/01/2022

संस्करण से प्रकाशित

वर्ष - 08, अंक - 33, पृष्ठ - 08, मूल्य - 2 रुपये

बसंत उत्सव पर छात्र,छात्राओं ने प्रस्तुत की सरस्वती वंदना

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। सीएसए के केंद्रीय पुस्तकालय में बसंत उत्सव का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजा के साथ की गई। इसके बाद उपस्थित छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ.आरपी सिंह ने छात्र छात्राओं को अच्छा व अनुशासित बनने के लिए प्रेरित किया। डॉक्टर सिंह ने कहा कि बसंत पंचमी एक ऐसा पर्व है जिसका इशारा प्रकृति स्वयं मनुष्य को देती है। इस दिन शरद ऋतु विदा लेती है और ग्रीष्म का आगमन होता है। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी विद्या, बुद्धि, ज्ञान, कला और संगीत की देवी मां सरस्वती का दिन है। उन्होंने कहा कि धर्म- अध्यात्म, सभ्यता - संस्कृति, ज्ञान -विज्ञान,कला-साहित्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में चिंतन और साधना से मानव ने जो स्थान हासिल किया है। उसके लिए ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त करने का



आयोजन है सरस्वती पूजा। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा में पर्व एवं त्योहार हर्षोल्लास एवं राष्ट्रियता को सुदृढ़ करने के प्रेरणास्पद अवसर है इस अवसर पर केंद्रीय पुस्तकालय के प्रभारी डॉ सीमा सोनकर ने कहा कि बसंत पंचमी का पर्व हमारी संस्कृति के गौरव एवं समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बसंतोत्सव प्रकृति के उल्लास का पर्व है पूरे देश में बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सी एल मौर्या, आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ मनीष गंगवार सहित सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।



जन एक्सप्रेस

'विद्या, बुद्धि, ज्ञान, कला और संगीत की देवी मां सरस्वती का दिन है बसंत पंचमी'



जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में बसंत उत्सव का आयोजन हुआ। जिसकी शुरुआत सरस्वती पूजन के साथ हुई। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. आर. पी. सिंह ने छात्र छात्राओं को अच्छा व अनुशासित बनने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि बसंत पंचमी एक ऐसा पर्व है जिसका इशारा प्रकृति स्वयं मनुष्य को देती है। इस दिन शरद ऋतु विदा लेती है और ग्रीष्म का आगमन होता है। बसंत पंचमी विद्या, बुद्धि, ज्ञान, कला और संगीत की देवी मां सरस्वती का दिन है। उन्होंने कहा कि धर्म- अध्यात्म, सभ्यता -संस्कृति, ज्ञान -विज्ञान,

कला- साहित्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में चिंतन और साधना से मानव ने जो स्थान हासिल किया है। उसके लिए ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त करने का आयोजन सरस्वती पूजा है। केंद्रीय पुस्तकालय के प्रभारी डॉ.सीमा सोनकर ने कहा कि बसंत पंचमी का पर्व हमारी संस्कृति के गौरव एवं समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बसंतोत्सव प्रकृति के उल्लास का पर्व है पूरे देश में बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. सी एल मौर्या, आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. मनीष गंगवार सहित सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य मौजूद रहे।



शहर के शैक्षणिक संस्थानों में बसंत पर कार्यक्रमों की धूम

कानपुर | हिन्दुस्तान टीम

हिन्दुस्तान कानपुर 06/02/2022

साएसजेएमयू व सीएसए समेत शहर के सभी शैक्षणिक संस्थानों में बसंत पंचमी पर कार्यक्रम हुए। सीएसजेएमयू में कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रो. संजय स्वर्णकार, प्रो. सुधीर अवस्थी, रजिस्ट्रार डॉ. अनिल यादव, डॉ. एवीन कटियार, डॉ. रागिनी रहीं।

सीएसए के केंद्रीय पुस्तकालय में मां सरस्वती पूजा की गई। इस मौके पर डॉ. आरपी सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. सीएल मौर्या, आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. मुनीष गंगवार, डॉ. सीमा सोनकर रहे।

दयानंद गर्ल्स पीजी कॉलेज में संगीत विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शालिनी वेद त्रिपाठी ने गीत प्रस्तुत कर बसंत का स्वागत किया। डॉ. संगीता श्रीवास्तव कथक नृत्य प्रस्तुत किया। डॉ. संगीता सिरोही व अन्य प्रवक्ताओं ने नृत्य कर बसंत उत्सव का आनंद उठाया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुनीता आर्य व डॉ. सुमन सिंह ने किया।

कानपुर विद्या मंदिर महिला महाविद्यालय में प्रबंध समिति के सचिव डॉ. डीसी गुप्त, डॉ. अंजना त्रिवेदी, डॉ. सरस्वती अग्रवाल, डॉ. प्रवीण सूद ने सरस्वती पूजन किया। प्राचार्या डॉ. पूनम विज ने अपने विचार रखे।

एसएन सेन पीजी कॉलेज में बसंत पंचमी पर मां सरस्वती की प्रतिमा को प्रतिष्ठित कर पूजन-अर्चन किया गया। मुख्य अतिथि विधायक अमिताभ बाजपेई ने मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रबंध तंत्र के अध्यक्ष प्रवीण कुमार मिश्र, सचिव प्रवीण कुमार सेन, संयुक्त सचिव शुभ्रो सेन, दीपा श्री सेन व प्राचार्या डॉ. निशा अग्रवाल ने पूजन किया। डॉ. अलका टंडन, डॉ. प्रीती सिंह, डॉ. गार्गी यादव, डॉ. रचना रहीं।

डीएवी कॉलेज में बीएड विभाग की ओर से वर्चुअली कार्यक्रम हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ. राजन दीक्षित ने मां सरस्वती की पूजा की। संचालन छात्रा कोमल व स्वाति ने किया। अनुपमा सिंह, बीबी साहू, श्याम सिंह रहे।



Sign in to edit and save changes to this file.



23

काठनपुर, शनिवार, 5 फरवरी 2022

काठनपुर न्यूज

www.dinartimes.in

DGT दीनार टाइम्स

स्टूडेंट्स को सदैव अनुशासन में रहना चाहिए



► कृषि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में बसंत उत्सव का किया गया आयोजन

कैटीलर

काठनपुर। चंडरोधर आचार्य कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय काठनपुर के केंद्रीय पुस्तकालय में बसंत उत्सव का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजा के साथ की गई। इसके बाद उपस्थित छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अधिष्ठाता छात्र कल्पक जे.आर.वे सिंह ने छात्र छात्राओं को अच्छे व अनुशासित बनने के लिए प्रेरित किया। डॉक्टर सिंह ने कहा कि बसंत पंचमी एक ऐसा पर्व है जिसका इशारा प्रकृति स्वयं मनुष्य को देती है। इस दिन शरद ऋतु विदा लेती है और प्रीत्य का आगमन होता है। उन्होंने कहा

कि बसंत पंचमी विद्या, बुद्धि, ज्ञान, कला और संगीत की देवी मां सरस्वती का दिन है। उन्होंने कहा कि धर्म- अर्थशास्त्र, सभ्यता - संस्कृति, ज्ञान - विज्ञान, कला- साहित्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में चिंतन और साधना से मानव ने जो स्वयं हासिल किया है। उसके लिए ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त करने का आयोजन है सरस्वती पूजा। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा में पर्व एवं त्योहार हकीकत एवं सटीकता को सुदृढ़ करने के प्रेरणादायक अवसर हैं इस अवसर पर केंद्रीय पुस्तकालय के प्रभारी डॉ. रीतिका शोचनकर ने कहा कि बसंत पंचमी का पर्व हमारी संस्कृति के गौरव एवं समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बसंतोत्सव प्रकृति के उत्सव का पर्व है पूरे देश में बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा का पर्व बढ़ा और उत्सव के साथ मनाया जाता है इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सी एल मीरा, आईटीएलए के प्रोफेसर अधिष्ठाता डॉ. मनीष पंतवार सहित सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

